चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नई ताजा न्यूज चैनल	20-10-2021		

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	20-10-2021		

मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई, खेत को तैयार करते समय रखें उचित नमी

- उन्नत किस्मों का करें चयन, प्रमाणित बीज का करें प्रयोग

सच कहूँ/संदीप सिंहमार

हिसार। सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास ढांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के बारानी खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 25 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों की पालना जरूरी है ताकि फसल से अच्छी पैदावार हासिल की जा सके। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें।

बिजाई से पूर्व बीजोपचार जरूरी

कृषि महाविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. पाहुजा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 वगैरह हैं जिनकी सिंचित क्षेत्र के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़, बारानी क्षेत्रों के लिए 2 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को 2 ग्राम कार्बेंडाजिम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से सूखा उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर व कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। इसके अलावा उन्नत किस्में आरएच 725 व आरएच 749 में कतार से कतार की दूरी 45 सेंटीमीटर तक भी रखी जा सकती है। सरसों के वैज्ञानिक डॉ. रामअवतार ने बताया कि खेत तैयार करते समय 6 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति एकड़ डालना चाहिए और सिंचित क्षेत्रों में 35 किलोग्राम डीएपी व 25 किलोग्राम यूरिया तथा 10 किलोग्राम जिंकसल्फेट या 70 किलोग्राम यूरिया व 75 किलोग्राम सिंगल सुपरफास्फेट का प्रयोग करना चाहिए। इसमें यूरिया की आधी मात्रा बिजाई के समय व आधी यूरिया पहली सिंचाई पर तथा अन्य खाद बिजाई के समय डालें जबकि बारानी क्षेत्रों में 35 किलोग्राम यूरिया, 75 किलोग्राम सिंगल सुपरफास्फेट बिजाई के समय डालें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
केशव टूडे न्यूज चैनल	20-10-2021		

YouTube Search

छोटू के सामने बड़े-बड़े फेल, किसानों के लिए वरदान साबित होगा ई ट्रैक्टर छोटू

88 views • Oct 19, 2021

6 0 SHARE SAVE ...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	20-10-2021		

उचित भंडारण सुविधा के अभाव में खराब हो सकती हैं तीस प्रतिशत तक सब्जियां : डॉ. गोदारा

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

[illegible]

सायना नेहवाल संस्थान का फाइल फोटो।

[illegible]

प्रो-ट्रे नर्सरी तैयार करने की दी जानकारी

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर यू ट्यूब चैनल	20-10-2021		

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर यू ट्यूब चैनल अंग्रेजी	20-10-2021		

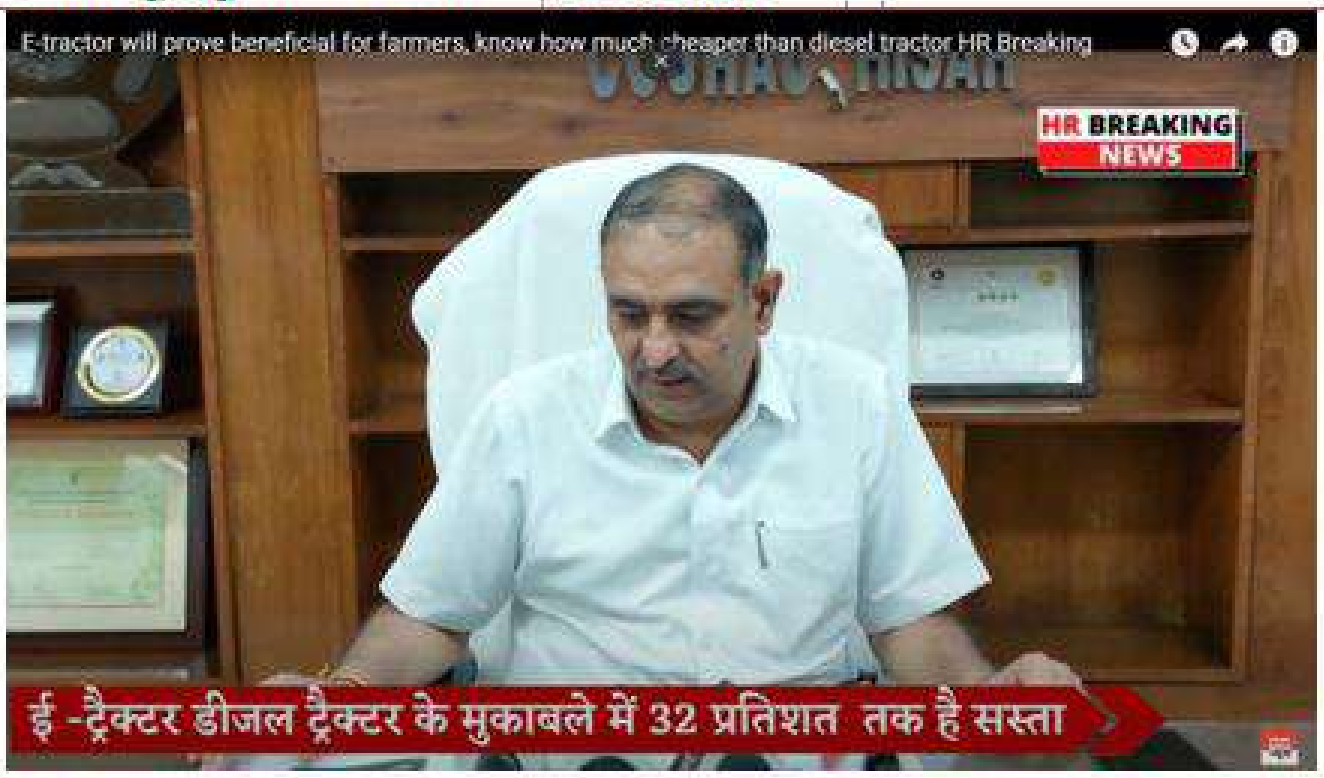

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
द इंक न्यूज पेपर	20-10-2021		

एचएयू वैज्ञानिकों ने किसानों को दी सलाह, मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई

Prev Post (https://theink.co.in/heavy-rainfall-in-utrakhand/) / Next Post (https://theink.co.in/mahapanchi

[illegible]

[illegible]

बिजाई से पूर्व बीजोपचार जरूरी

[illegible]

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि ई–पेपर	20-10-2021		

हरिभूमि

Home » (/)राज्य » (/local)हरियाणा » (/local/haryana)एचएयू के वैज्ञानिकों ने...

एचएयू के वैज्ञानिकों ने किसानों को दी सलाह, मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई

डॉ. रामनिवास डांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार

Ashwani Kumar (/Ashwani-Kumar) Created On: 19 Oct 2021 1:07 PM Last Updated On: 19 Oct 2021 6:37 PM

हिसार : सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व भिवानी जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिंदुस्थान समाचार एजेंसी	20-10-2021		

dailyhunt

हिन्दुस्थान समाचार

Followers

हिसार: मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई: डॉ. रामनिवास ढांडा

ओस को लेकर बरतें सावधान रखें उचित नमी

उन्नत किस्मों का करें चयन, प्रमाणित बीज का करें प्रयोग

हिसार, 19 अक्टूबर (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि वे सरसों की बिजाई में मौसम का विशेष ध्यान रखें।

वैज्ञानिकों की सलाह अनुसार काम करने से उन्हें कृषि कार्यों में लाभ हो सकता है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास ढांडा ने मंगलवार को किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कही।

किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 15 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-0801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों की पालना जरूरी है, ताकि फसल से अच्छी पैदावार हासिल की जा सके।

कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके पाहुजा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 शामिल हैं जिनकी सिंचित क्षेत्र के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़, बारानी क्षेत्रों के लिए दो किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को दो ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से सूखा उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर व कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। इसके अलावा उन्नत किस्में आरएच 725 व आरएच 749 में कतार से कतार की दूरी 45 सेंटीमीटर तक भी रखी जा सकती है।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धु न्यूज पेपर	20-10-2021		

बुधवार 20 अक्तूबर 2021 3

एचएयू वैज्ञानिकों ने विकसित किया ई-टैक्टर

हिसार(एस.जैन)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने इस ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। यह ट्रैक्टर 16.2 किलोवाट की बैटरी से चलता है और डीजल ट्रैक्टर की तुलना में इसकी संचालन लागत बहुत कम है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है व 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। इस ट्रैक्टर के प्रयोग से किसानों की आमदनी में काफी भी इजाफा होगा। यह अनुसंधान उपलब्धि कृषि मशीनरी और फार्म इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक एवं अर्तमान निदेशक, उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, हिसार डॉ. मुकेश जैन के मार्गदर्शन में प्राप्त की गई है। कुलपति ने वैज्ञानिकों की इस नई खोज की प्रशंसा की और भविष्य में इसी प्रकार किसान हितैषी अनुसंधान करने पर जोर दिया।

ये है ट्रैक्टर की खासियत

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि ई-ट्रैक्टर के परफोर्मेन्स की बात की जाए तो इसमें 16.2 किलोवाट आवर की लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया। इस बैटरी को 09 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। इस दौरान 19 से 20 यूनिट बिजली की खपत होती है। उनके अनुसार ट्रैक्टर 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। इसमें फास्ट चार्जिंग का भी विकल्प उपलब्ध है जिसकी मदद से ट्रैक्टर की बैटरी महज 4 घंटे में चार्ज कर सकते है। ट्रैक्टर में शानदार 77 प्रतिशत का ट्रान्सफर पुल है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर के संचालन की लागत के हिसाब से यह डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले में 32 प्रतिशत और 25.72 प्रतिशत तक सस्ता है। ट्रैक्टर में कंपन और शोर की बात की जाए तो इसमें 52 प्रतिशत कम्पन और 20.52 प्रतिशत शोर डीआईएस कोड की अधिकतम अनुमेय सीमा से कम पाया गया। ट्रैक्टर में ऑपरेटर के पास इंजन ना होने के कारण तपिश भी पैदा नहीं होती जो ऑपरेटर के लिए बिलकुल आरामदायक साबित होगा। उनके अनुसार डीजल के बढ़ते हुए दामों को देखते हुए यह ट्रैक्टर किसानों के लिए काफी किफायती साबित होगा जिससे उनकी आमदनी में भी इजाफा होगा।

इस अवसर पर डॉ. एम. एल. मेहता, पूर्व निदेशक, केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, खुदनी तथा डॉ. विकास गोयल, बैटरी चालित ट्रैक्टर के निर्माता भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. अमरजीत कालरा, डीन इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ. एस. के. सहरावत, निदेशक अनुसंधान, डॉ. अतुल ढींगरा, डीन पी.जी.एस और डॉ. विजया रानी, कृषि मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग ने बैटरी से चलने वाला ट्रैक्टर के विकास की सराहना की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	19-10-2021		

एचएयू वैज्ञानिकों ने किसानों को दी सलाह, मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई उन्नत किस्मों का करें चयन

समस्त हरियाणा न्यूज़

हिसार। सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास ढांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुवाई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुवाई का समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित

किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों की पालना जरूरी है ताकि फसल से अच्छी पैदावार हासिल की जा सके। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें। कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. पाहुजा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 मानीगम हैं जिनकी सिंचित क्षेत्र के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़, बारानी क्षेत्रों के लिए 2 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को 2ग्राम कार्बेन्डिज्म प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से सूखा उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर व कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। इसके अलावा उन्नत किस्मों आरएच 725 व आरएच 749 में कतार से कतार की दूरी 45 सेंटीमीटर तक भी रखी जा सकती है। सरसों के वैज्ञानिक डॉ. रामअवतार ने बताया कि खेत तैयार करते समय 6 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति एकड़ डालना चाहिए और सिंचित क्षेत्रों में 35 किलोग्राम डीएपी व 25 किलोग्राम यूरिया तथा 10 किलोग्राम जिंकसल्फेट या 70 किलोग्राम यूरिया व 75 किलोग्राम सिंगल सुपरफास्फेट का प्रयोग करना चाहिए। इसमें यूरिया की आधी मात्रा बिजाई के समय व आधी यूरिया पहली सिंचाई पर तथा अन्य खाद बिजाई के समय डालें जबकि बारानी क्षेत्रों में 35 किलोग्राम यूरिया, 75किलोग्राम सिंगल सुपरफास्फेट बिजाई के समय डालें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा न्यूज	20-10-2021		

एचएयू वैज्ञानिकों ने किसानों को दी सलाह

मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई

खेत को तैयार करते समय रखें उचित नमी

हिसार, 19 अक्तूबर (सुरेंद्र सोढी) : सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास डांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्तूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों की पालना जरूरी है ताकि फसल से अच्छी पैदावार हासिल की जा सके। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छे प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें।

सरसों की फसल।

बिजाई से पूर्व बीजोपचार अत्यन्त

कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. पाहुजा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 सर्वोत्तम हैं जिसकी सिंचित क्षेत्र के लिए 1.5 किलो बीज प्रति एकड़, बारानी क्षेत्रों के लिए 2 किलो प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को 2 ग्राम कार्बेंडिजम प्रति किलो बीज के हिसाब से सुरक्षा उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सैं.मी. व कतार से कतार की दूरी 30 सैं.मी. रखें। इसके अलावा उन्नत किस्में आरएच 725 व आरएच 749 में कतार से कतार की दूरी 45 सैं.मी. तक भी रखी जा सकती है। सरसों के वैज्ञानिक डॉ. रामअवतार ने बताया कि खेत तैयार करते समय 6 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति एकड़ डालना चाहिए और सिंचित क्षेत्रों में 35 कि.ग्रा. डीएपी व 25 किलो यूरिया तथा 10 किलो जिंकसल्फेट या 70 किलो यूरिया व 75किलो सिंगल सुपरफास्फेट का प्रयोग करना चाहिए। इसमें यूरिया की आधी मात्रा बिजाई के समय व आधी यूरिया पहली सिंचाई पर तथा अन्य खाद बिजाई के समय डालें अथवा बारानी क्षेत्रों में 35 किलो यूरिया, 75किलो सिंगल सुपरफास्फेट बिजाई के समय डालें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	19-10-2021		

उन्नत किस्मों का करें चयन, प्रमाणित बीज का करें प्रयोग

एचएयू वैज्ञानिकों ने किसानों को दी सलाह, मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई, खेत को तैयार करते समय रखें उचित नमी

पांच बजे ब्यूज

हिसार। सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास दांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों की पालना जरूरी है ताकि फसल से अच्छी पैदावार हासिल की जा सके। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें।

बिजाई से पूर्व बीजोपचार जरूरी

कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. पाहुजा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 सर्वोत्तम है जिसकी सिंचित क्षेत्र के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़, बारानी क्षेत्रों के लिए 2 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को 2ग्राम कार्बेंडिजम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से सूखा उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर व कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। इसके अलावा उन्नत किस्मों आरएच 725 व आरएच 749 में कतार से कतार की दूरी 45 सेंटीमीटर तक भी रखी जा सकती है। सरसों के वैज्ञानिक डॉ. रामअवतार ने बताया कि खेत तैयार करते समय 6 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति एकड़ डालना चाहिए और सिंचित क्षेत्रों में 35 किलोग्राम डीएपी व 25 किलोग्राम यूरिया तथा 10 किलोग्राम जिंकसल्फेट या 70 किलोग्राम यूरिया व 75किलोग्राम सिंगल सुपरफास्फेट का प्रयोग करना चाहिए। इसमें यूरिया की आधी मात्रा बिजाई के समय व आधी यूरिया पहली सिंचाई पर तथा अन्य खाद बिजाई के समय डालें जबकि बारानी क्षेत्रों में 35 किलोग्राम यूरिया, 75किलोग्राम सिंगल सुपरफास्फेट बिजाई के समय डालें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	19-10-2021		

एचएयू वैज्ञानिकों ने किसानों को दी सलाह, मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास ढांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों की पालना जरूरी है ताकि फसल से अच्छी पैदावार हासिल की जा सके। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें।

बिजाई से पूर्व बीजोपचार जरूरी

कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. पाहुजा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 प्रमुख हैं जिनकी सिंचित क्षेत्र के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़, बारानी क्षेत्रों के लिए 2 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर व कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। इसके अलावा उन्नत किस्में आरएच 725 व आरएच 749 में कतार से कतार की दूरी 45 सेंटीमीटर तक भी रखी जा सकती है। सरसों के वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार ने बताया कि खेत तैयार करते समय 6 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति एकड़ डालना चाहिए और सिंचित क्षेत्रों में 35 किलोग्राम डीएपी व 25 किलोग्राम यूरिया तथा 10 किलोग्राम जिंकसल्फेट या 70 किलोग्राम यूरिया व 75 किलोग्राम सिंगल सुपरफास्फेट का प्रयोग करना चाहिए। इसमें यूरिया की आधी मात्रा बिजाई के समय व आधी यूरिया पहली सिंचाई पर तथा अन्य खाद बिजाई के समय डालें जबकि बारानी क्षेत्रों में 35 किलोग्राम यूरिया, 75 किलोग्राम सिंगल सुपरफास्फेट बिजाई के समय डालें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नव्य छोर	19-10-2021		

10 नवंबर तक उचित किस्मों से करें सरसों की बिजाई : कृषि वैज्ञानिक

हिसार/18 अक्टूबर/रिपोर्टर

सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ रामनिवास धांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए

आरएच.9801 व आरएच.30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों की पालना जरूरी है ताकि फसल से अच्छी पैदावार हासिल की जा सके। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें।

कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ एसके पाहुजा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 सर्वोत्तम हैं जिसकी सिंचित क्षेत्र के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़, बारानी क्षेत्रों के लिए 2 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को 2 ग्राम कार्बेंडिजम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शुद्ध उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर व कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। इसके अलावा उन्नत किस्मों आरएच 725 व आरएच 749 में कतार से कतार की दूरी 45 सेंटीमीटर तक भी रखी जा सकती है। सरसों के वैज्ञानिक डॉ रामअवतार ने बताया कि खेत तैयार करते समय 6 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति एकड़ डालना चाहिए और सिंचित क्षेत्रों में 35 किलोग्राम डीएपी व 25 किलोग्राम यूरिया तथा 10 किलोग्राम जिंकसल्फेट या 70 किलोग्राम यूरिया व 75किलोग्राम सिंगल सुपरफास्फेट का प्रयोग करना चाहिए। इसमें यूरिया को आधी मात्रा बिजाई के समय व आधी यूरिया पहली सिंचाई पर तथा अन्य खाद बिजाई के समय डालें जबकि बारानी क्षेत्रों में 35 किलोग्राम यूरिया, 75 किलोग्राम सिंगल सुपरफास्फेट बिजाई के समय डालें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा ई–खबर	19-10-2021		

HISAR NEWS लाइफस्टाइल

सरसों किसानों के लिए एडवाइजरी: ऐसे बिजाई कर पा सकते हैं शानदार फसल

20 October 2021 / Ajay Sehrawat

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने सरसों की फसल बुआई को लेकर किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है. हरियाणा समेत देश के कई राज्यों में सरसों रबी सीजन में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलों में से एक है. हरियाणा में सरसों प्रमुख रूप से सिरसा, हिसार, भिवानी, महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी व मेवात जिलों में बोई जाती है. एचएयू कृषि विभाग ने सलाह दी है कि इस विधि से किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक मुनाफा कमा सकते हैं.

एचएयू यूनिवर्सिटी के कृषि वैज्ञानिक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया कि सरसों फसल बिजाई से पूर्व मौसम को ध्यान में रखते हुए खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें. उन्होंने बताया कि सरसों फसल की बुआई का उचित समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता है। इसके बावजूद भी यदि कोई किसान भाई किसी कारणवश इस समय के दौरान बुआई नहीं कर पाते हैं तो वे 10 नवम्बर तक अच्छी क्वालिटी के बीज का चयन करके सरसों की बिजाई कर सकते हैं. सरसों फसल की पछेती बिजाई के लिए RH-9801 व RH-30 किस्म इस्तेमाल कर सकते हैं.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	20.10.21	2	7.8

TRAINING CAMP ON KITCHEN GARDENING

Hisar: A three-day training camp on kitchen gardening was organised by Saina Nehwal Agricultural Training and the Education Institute of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University. Experts motivated unemployed youth and women to explore self-employment avenues. Giving information about training, the expert said mechanisation and value addition had a special role in increasing the production capacity of vegetable crops. About 30 per cent of the vegetables grown in the farmers' fields get spoiled due to lack of proper storage facilities. About 60 participants from different states of the country participated in the training.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
4 दैनिक भास्कर	21-10-21	6	6-8

सरसों की अधिक पैदावार के लिए 10 नवंबर तक करें आरएच-9801 और आरएच-30 की बुआई

मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई, खेत में रखें उचित नमी

महबूब अली | हिसार

बीआर काम्बोज

सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में अधिक बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। सरसों की अधिक पैदावार के लिए पछेती किस्म आरएच-9801 व आरएच-30 की बुआई 10 नवंबर तक की जा सकती है। एचएयू के वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों को सलाह दे रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने किसानों के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बावजूद किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं।

जानिए... बिजाई से पूर्व बीजोपचार जरूरी

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास ढांडा के अनुसार, समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 सर्वोत्तम हैं, जिसकी सिंचित क्षेत्र के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़, बारानी क्षेत्रों के लिए 2 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को 2 ग्राम कार्बेंडिज्म प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से सूखा उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर व कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	20-10-21	9	4-6

मौसम के मद्देनजर करें सरसों की बिजाई

- एचएयू वैज्ञानिकों ने किसानों को दी सलाह
- उन्नत किस्मों का करें चयन, प्रमाणित बीज का करें प्रयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास ढांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं।

बिजाई से पूर्व बीजोपचार करना भी आवश्यक

कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. पाहुजा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 सर्वोत्तम हैं जिसकी सिंचित क्षेत्र के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़, बारानी क्षेत्रों के लिए 2 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को 2 ग्राम कार्बेंडिज्म प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से सूखा उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर तथा कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। इसके अलावा उन्नत किस्मों आरएच 725 व आरएच 749 में कतार से कतार की दूरी 45 सेंटीमीटर तक भी रखी जा सकती है।

एचएयू ने सरसों बिजाई के लिए दी सलाह

फतेहाबाद। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने किसानों को सरसों फसल की बिजाई के लिए एडवाइजरी जारी की है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सरसों की अधिक पैदावार लेने के लिए बिजाई के समय ध्यान देने की बात कही है। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि किसान कृषि वैज्ञानिकों की सलाह अनुसार खेती कर ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं। वैज्ञानिकों ने सरसों के अच्छे अंकुरण हेतु सरसों की बिजाई के लिए 10 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक सवारेत्तम समय बताया है।उन्होंने कहा कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20-10-21	4	1-2

सरसों की फसल का फाइल फोटो।

एच.ए.यू. के वैज्ञानिकों की किसानों को सलाह

मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई

हिसार, 19 अक्तूबर (ब्यूरो): सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास ढांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 20 अक्तूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों की पालना जरूरी है। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	20-10-21	6	6-8

'मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की

हिसार, 19 अक्तूबर (अ.स.): सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में से एक महत्वपूर्ण फसल है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिकों ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्तूबर तक होता है, लेकिन इसके बावजूद अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाते हैं तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों की पालना करके फसल की अच्छी पैदावार हासिल की जा सकती है। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
5 दैनिक जागरण	20-10-21	4	1-4

सलाह एचएयू के विज्ञानियों ने किसानों को दी नसीहत, उन्नत किस्मों का करें चयन, प्रमाणित बीज का करें प्रयोग

मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई

खेत खलिहान....

जागरण संवाददाता, हिसार : सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में बोई जाती है।

किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. रामनिवास ढांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम

के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर

एचएयू का स्वर्ण जयंती द्वार ● जागरण आर्काइव

सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों की पालना जरूरी है ताकि फसल से अच्छी पैदावार हासिल की जा सके। बिजाई के समय खेत अच्छे से तैयार करते हुए उचित नमी रखें।

बीजोपचार जरूरी

कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डा. एसके पाहुजा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 सर्वोत्तम हैं जिसकी सिंचित क्षेत्र के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़, बारानी क्षेत्रों के लिए 2 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को 2ग्राम कार्बेंडिज्म प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से सूखा उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेमी तक होनी चाहिए।

मौसम को ध्यान में रखकर करें बिजाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास ढांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी की। उन्होंने कहा कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्तूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं।

सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों की पालना जरूरी है। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें। ब्यूरो